हिंदी परियोजना कार्य

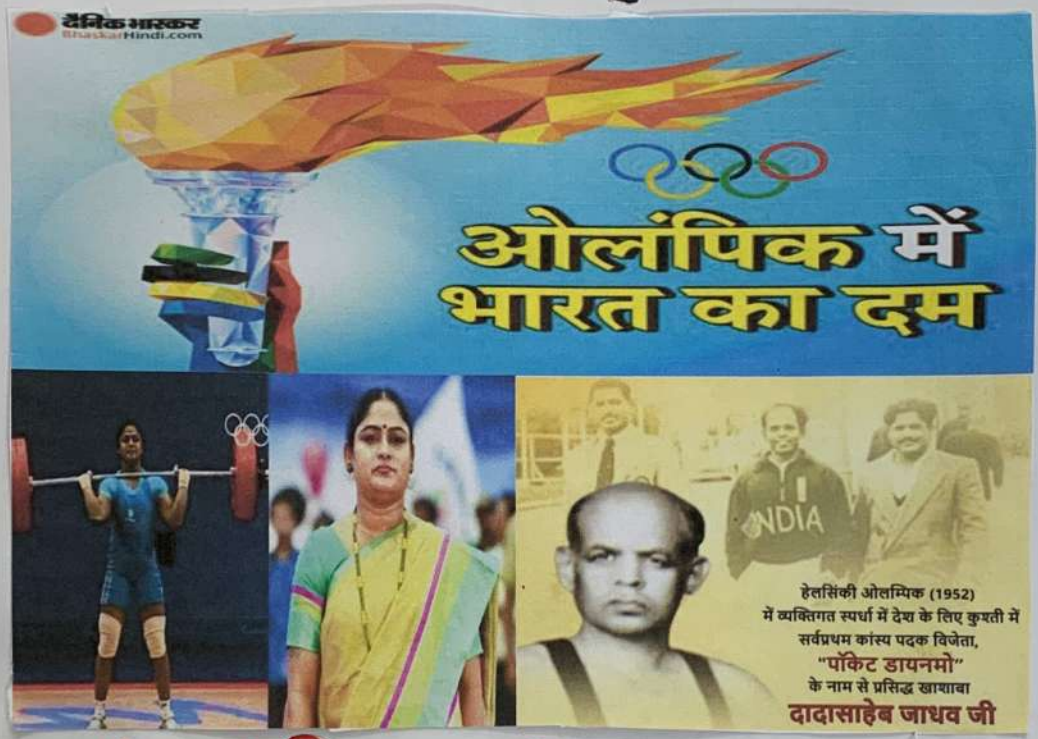

ओलंपिक में भारत

नाम : विवान झंवर
कक्षा : 5 बी
रोल नंबर : 20 (बीस)

साक्षातकार - दादा साहेब जाधव

असंभव कुछ भी नही

प्रश्न 1) दादासाहेब जी, आपसे साक्षातकार का यह अवसर पाकर मैं निहाल हो गया। मेरा पहला प्रश्न हैं कि आपको कुश्ती का शौंक कैसे लगा ?

उत्तर : मैं भी इस साक्षातकार के लिए उत्सुक हूँ। मुझे बचपन से ही पहलवानी का शौंक था। कुश्ती तो मेरी रगों में दौड़ती थी। आठ साल की उम्र में मैं ने अपने इलाके के सबसे धाकड़ पहलवान को पछाड़ दिया था।

प्रश्न 2) लंदन ओलंपिक में आपका प्रदर्शन कैसा रहा और आपने क्या सीखा ?

उत्तर : लंदन ओलंपिक में मेरा मुकाबला अमेरिका और आस्ट्रेलिया के पहलवानों से हुआ था जिन्हें मैं ने हरा दिया (पर ईरान के पहलवान से हार गया और छठे स्थान पर रहा। लंदन ओलंपिक में मैं ने सीखा कि मुझे पहले स्थान पर रहने के लिए और ज़्यादा मेहनत करनी होगी।

प्रश्न 3) 1952 में हेलसिंकी जाने के लिए आपकी मदद किसने करी?

उत्तर : हेलसिंकी जाने के लिए मेरी मदद पटियाल के महाराज, मेरे प्रिंसिपल, राज्य सरकार और उस बैंक ने की जिसके पास मैं ने अपना मकान गिरवी रखा था।

प्रश्न 4) कांस्य पदक जीतने के बाद आपका कैसा स्वागत हुआ?

उत्तर: देश ने कांस्य पदक को महत्व नही दिया क्योंकि भारतीय हॉकी टीम स्वर्ण पदक जीत कर आयी थी। मुझे पद्मश्री पुरस्कार से भी सम्मानित नही किया गया। इस लिए मेरा मन निराशा से भर गया। परंतु मेरे गाँव वाले सौं बैलगाड़ी लेकर मेरे स्वागत के लिए आए थे।

प्रश्न 5) ओलंपिक के बाद आपका जीवन कैसा रहा?

उत्तर: ओलंपिक के बाद 1955 में बाम्बे पुलिस ने मुझे नौकरी दी। छोटे कद के कारण मुझे पॉकिट डायनमो कहा जाने लगा। बेहतरीन काम करने पर रिटायरमेंट से पहले मैं असिस्टेंट कमीश्नर बना दिया गया।

"जब तक सूरज चाँद रहेगा, दादासाहेब तेरा नाम रहेगा"

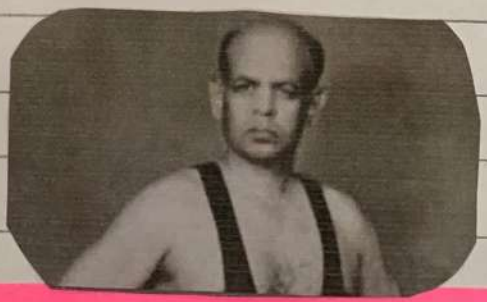

क) भारत के गौरव

ख) एम्स्टर्डम 1928

ध्यानचंद → हॉकी → स्वर्ण पदक

ग)(i) अटलांटा 1996

लिएंडर पेस → पुरुष स्कल टेनिस → कांस्य पदक

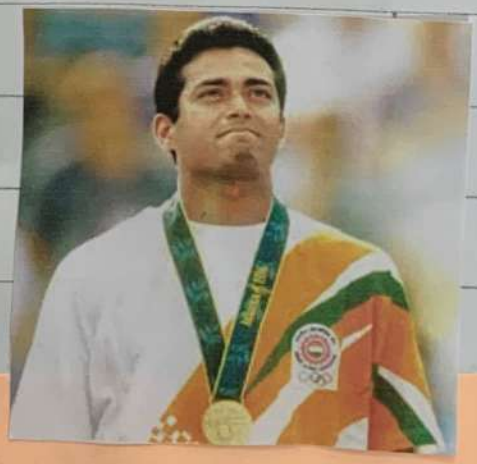

ग(२) सिडनी 2000

कर्णम मल्लेश्वरी → वैटलिफटिंग → कांस्य पदक

घ) बीजिंग 2008

अभिनव बिंद्रा → एयर राइफल शूटिंग → स्वर्ण पदक

ड़) रियो 2016

साइना नेहवाल → बैडमिंटन → कांस्य पदक

च) रीयो 2016

साक्षी मलिक → रैसलिंग → कांस्य पदक

छ) हमें खिलाड़ियों से यह प्रेरणा मिलती है कि मेहनत करने से एक ना एक दिन सफलता ज़रूर मिलेगी।

"मुंडा ऊँचा रहे हमारा विजयी विश्व तिरंगा प्यारा"